

बांदीपुर टाइगर रज़िर्व

स्रोत: द हट्टि

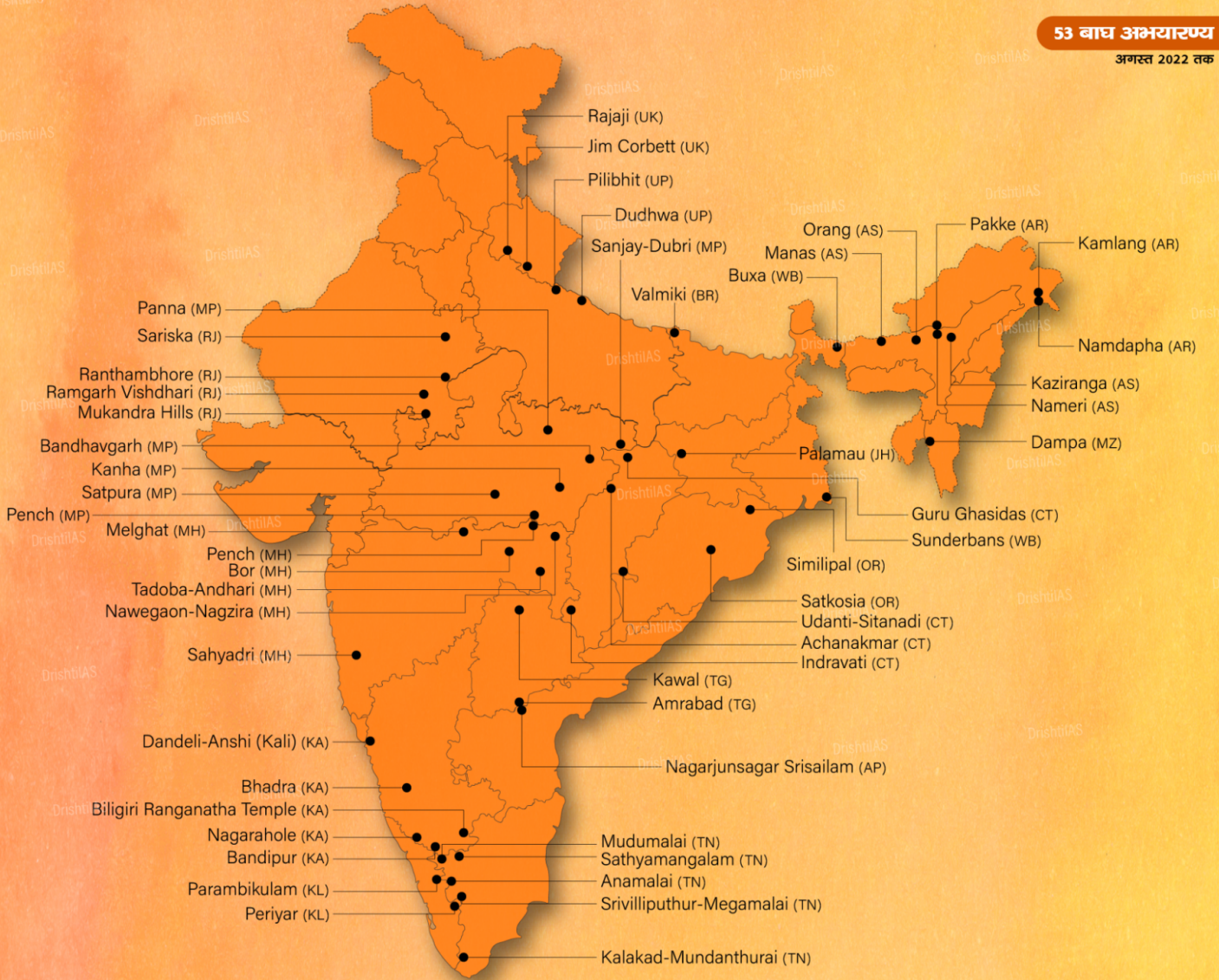
हाल ही में, सरकार ने बेलाडाकुप्पे श्री महादेश्वरस्वामी मंदिर, जो [बांदीपुर टाइगर रज़िर्व \(BTR\)](#) के मुख्य क्षेत्र में है, की वार्षिक जातरा (कार्तिक माह का अंतिम सोमवार) पर प्रतिबंध लगा दिया है।

- यह मंदिर बांदीपुर टाइगर रज़िर्व की हेडयाला रेंज में स्थित है, जो वन्यजीवों के लिये संरक्षित क्षेत्र है।
- बाघ रज़िर्वों का गठन कोर और बफर संरक्षण पद्धतिका उपयोग करके किया जाता है।
 - मुख्य क्षेत्र सभी प्रकार के मानवीय उपयोग से मुक्त है, जबकि बफर क्षेत्र में संरक्षणात्मक भूमि उपयोग है।
- बांदीपुर टाइगर रज़िर्व (कर्नाटक) के बारे में:
 - बांदीपुर टाइगर रज़िर्व [पश्चिमी घाट](#) परदृश्य का एक प्रमुख क्षेत्र है, जहाँ विश्व की बाघ आबादी का 1/8वाँ हिस्सा रहता है।
 - यह बांदीपुर, नागरहोल, वायनाड, मुदुमलाई और सत्यमंगलम टाइगर इस क्षेत्र का हिस्सा है, जो कर्नाटक, तमिलनाडु तथा केरल तक फैला हुआ है।
 - यह [नीलगिरी बायोस्फीयर रज़िर्व](#) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भारत का पहला बायोस्फीयर रज़िर्व (1986) है।
 - यह रज़िर्व मैसूर एलीफेंट रज़िर्व का एक हिस्सा है, जो एशियाई हाथियों की विश्व की सबसे बड़ी आबादी है।

बाघ अभयारण्य

53 बाघ अभयारण्य

अगस्त 2022 तक



तथ्य

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की सिफारिश पर राज्य सरकार किसी क्षेत्र को बाघ अभयारण्य/टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित कर सकती है।
- सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य (कोर क्षेत्र): नागार्जुनसागर श्रीशैलम (आंध्रप्रदेश)
- सबसे छोटा बाघ अभयारण्य: ओरंग (असम)
- सर्वाधिक बाघ घनत्व वाला अभयारण्य: कॉर्बेट (उत्तराखंड) (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)
- सर्वाधिक बाघ आबादी वाला राज्य: मध्य प्रदेश (अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2018)



और पढ़ें: [प्रोजेक्ट टाइगर](#)